नईदुनिया

नेस्ले इंडिया को पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 958.68 करोड़ रुपये

नई दिल्ली

दैनिक उपभोग की वस्तुएं बनाने वाली प्रमुख कंपनी नेस्ले इंडिया ने वित्त वर्ष 2026-27 की (अप्रैल-जून) पहली तिमाही के अपने नतीजे का ऐलान कर दिया है। नेस्ले इंडिया का अप्रैल-जून में एकीकृत शुद्ध लाभ (मुनाफा) 48.26 फीसदी बढ़कर 958.68 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 646.59 करोड़ रुपये था।

कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी गई सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में उत्पादों की बिक्री से नेस्ले इंडिया का राजस्व 25.4 फीसदी बढ़कर 6,363.27 करोड़ रुपये पर पहुचं गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 5073.96 करोड़ रुपये था।

नेस्ले इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) मनीष तिवारी ने कहा, हमने मात्रा वृद्धि के दम पर बिक्री में 25.4 फीसदी वृद्धि के साथ मजबूत तिमाही प्रदर्शन किया। बिक्री 6,363.3 करोड़ रुपये रही, जिसे हमारे ब्रांडों पर उपभोक्ताओं के निरंतर भरोसे और प्रभावी क्रियान्वयन का समर्थन मिला। वहीं, भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद निर्यात में 35.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

इसी तरह वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में नेस्ले इंडिया की कुल आय 25.5 फीसदी बढ़कर 6,400.65 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 5,100.33 करोड़ रुपये थी। कंपनी का कुल खर्च 20.71 फीसदी बढ़कर 5,070.03 करोड़ रुपये रहा।

अप्रैल-जून तिमाही में घरेलू बिक्री 25 फीसदी बढ़कर 6,073.05 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 4,860.01 करोड़ रुपये थी। वहीं, कंपनी का निर्यात राजस्व 35.64 फीसदी बढ़कर 290.22 करोड़ रुपये हो गया। तिवारी ने कहा कि पहली तिमाही के दौरान कंपनी ने परिचालन लागत में बचत के प्रयासों को और तेज करने के साथ अपने ब्रांडों में निवेश बढ़ाना जारी रखा। इसके अलावा विज्ञापन पर खर्च में 40 फीसदी से अधिक की वृद्धि की गई और कंपनी का कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) मार्जिन 24.2 फीसदी रहा।

नेस्ले इंडिया दैनिक उपभोग (एफएमसीजी) की एक प्रमुख कंपनी है। इस कंपनी का मुख्यालय गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित है। इसकी शुरुआत 1912 में हुई थी। ये मैगी, नेस्कैफे, किटकैट और सेरेलैक जैसे लोकप्रिय ब्रांड्स बनाती है। कंपनी के भारत में कुल 9 निर्माण संयंत्र हैं।

न्यूज ब्रीफ

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स मामूली कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। सेमीकंडक्टर स्टाक्स में तेजी आने की वजह से अमेरिकी शेयर बाजार पिछले सत्र के दौरान पाजिटिव मूड में बंद हुए। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 385.38 अंक यानी 0.74 प्रतिशत उछल कर 52,224.64 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.89 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,509.20 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 329.13 अंक यानी 1.29 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,837.21 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 52,171.90 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.58 प्रतिशत की छलांग लगा कर 10,585.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,363.14 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 164.66 अंक यानी 0.66 प्रतिशत उछल कर 25,011.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं, जबकि चार के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 126.50 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,043 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

हैवेल्स ने पहली तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया, लायड कंज्यूमर सेगमेंट ने किया निराश

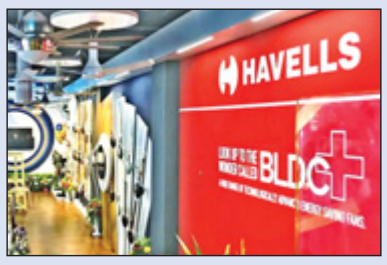

नई दिल्ली। कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल और ड्यूरेबल्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी हैवेल्स इंडिया ने पहली तिमाही में राजस्व के मामले में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन उसका परिचालन प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। जहां केबल और वायर, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और अक्षय ऊर्जा कारोबार की वजह से राजस्व वृद्धि अच्छी रही, वहीं लायड कंज्यूमर सेगमेंट ने निराश किया। हालांकि कच्चे माल और विज्ञापन पर ज्यादा खर्च की वजह से मुनाफे पर असर पड़ा, लेकिन उम्मीद है कि दूसरी तिमाही में मार्जिन में सुधार होगा, जिसका कारण कीमत वृद्धि और विपणन खर्च सामान्य होना है। पिछले छह महीनों में इस शेयर का प्रदर्शन बीएसई 100 के मुकाबले काफी खराब रहा है। इस दौरान इसमें 16 फीसदी की गिरावट आई, जबकि प्रमुख सूचकांक में 4 फीसदी की कमजोरी रही।

महाराष्ट्र सरकार ला रही है देश का पहला ब्लाकचेन लैंड कानून, अब जमीन के मूल्य के आधार पर जारी टोकन के जरिए होंगे लेन-देन

नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार ने महाराष्ट्र डिजिटाइजेशन ऐंड एक्सचेंज आफ लैंड टोकन ऐसेट (डेल्टा) अधिनियम पर कदम बढ़ाना शुरू कर दिया है। इस अधिनियम का मकसद अचल संपत्तियों का ब्लाकचेन-आधारित टोकनाइजेशन करना है। टोकनाइजेशन जानकारियां सुरक्षित रखने की प्रक्रिया है जिसमें संवेदनशील जानकारियां टोकन में तब्दील कर दी है। राज्य सरकार जमीन की वास्तविक क्षमता या अव्यक्त मूल्य का लाभ लेने और साल 2030 तक 1 लाख करोड़ डालर की अर्थव्यवस्था बनने की राह में राजस्व के नए स्रोत तैयार करना चाह रही है। सोमवार को राज्य के सीएम देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई बैठक में राज्य ने प्रस्तावित अधिनियम के मसौदे पर चर्चा की।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला श्री बालाजी माला टेक्सटाइल का आईपीओ, 29 जुलाई को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली

माला साड़ी ब्रांड की साड़ियों की निर्माता कंपनी श्री बालाजी (माला) टेक्सटाइल लिमिटेड का 18.90 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 24 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 27 जुलाई को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 28 जुलाई को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 29 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर लिस्ट हो सकते हैं। दोपहर 12:30 बजे तक ये आईपीओ 1.30 गुना सब्सक्राइब हो चुका था।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 66 रुपये से लेकर 70 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 2,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लाट यानी 4,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,80,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 27 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.19 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.33 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.44 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.04 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए जीवाईआर कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलाजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं मानसी शेयर एंड स्टाक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

श्री बालाजी (माला) टेक्सटाइल लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मामूली उतार चढ़ाव के बावजूद मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 2.46 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 4.95 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 5.85 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में उतार चढ़ाव के बावजूद बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 195.89 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 202-25 में घट कर 193.44 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 212.40 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में भी उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 51.37 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में कम होकर 48.75 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। हालांकि इसके अगले वित्त वर्ष 2025-26 के अंत में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 69.08 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 16.70 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 21.65 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2025-26 में कंपनी का नेटवर्थ उछल कर 27.51 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें तो इस अवधि में कंपनी को इस मोर्चे पर उतार चढ़ाव का सामना करना पड़ा। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 15.98 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 20.93 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि अगले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस मामूली गिरावट के साथ 20.30 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया था।

इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमाडुर्टाइजेशन) 2023-24 में 10.23 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 13.20 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का ईबीआईटीडीए 15.50 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया था।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में मामूली गिरावट

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली कमजोरी दर्ज की गई है। भाव में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 700 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 760 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चांदी के भाव में 200 रुपये प्रति किलोग्राम की सांकेतिक गिरावट नजर आ रही है।

भाव में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,44,230 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,32,210 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में प्रति किलोग्राम 200 रुपये की गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,44,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,44,230 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,32,210 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,44,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,44,380 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

अबतक 3 करोड़ से ज्यादा करदाताओं ने दाखिल किया रिटर्न

नई दिल्ली। आकलन वर्ष 2026-27 के लिए अब तक तीन करोड़ से ज्यादा आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइल किए जा चुके हैं, जिनमें से अकेले 21 जुलाई को 15 लाख से ज्यादा रिटर्न दाखिल किए गए हैं। आयकर विभाग ने बुधवार को बताया कि आकलन वर्ष 2026-27 के लिए पहले ही 3 करोड़ से ज्यादा आईटीआर फाइल किए जा चुके हैं, जबकि अकेले मंगलवार, 21 जुलाई को ही 15 लाख से ज्यादा आईटीआर फाइल किए गए हैं। डेडलाइन के समय होने वाली भीड़-भाड़ का इंतजार न करें। आकलन वर्ष 2026-27 के लिए अपना आईटीआर-1 और आईटीआर-2, 31 जुलाई 2026 से पहले फाइल करें। उल्लेखनीय है कि 31 जुलाई की डेडलाइन उन लोगों के लिए है, जिन्हें आईटीआर-1 और आईटीआर-2 फाइल करना है। आमतौर पर अगर आपकी सालाना आय इनकम टैक्स छूट की सीमा से ज्यादा है, तो आईटीआर फाइल करना जरूरी है।

क्यूब हाइवेज ट्रस्ट का आईपीओ लान्च 3 अगस्त को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली

रोड इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के लिए काम करने वाले इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट क्यूब हाइवेज ट्रस्ट इन्विट का 5,000 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 24 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 29 जुलाई को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 30 जुलाई को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर तीन अगस्त को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन दोपहर एक बजे तक ये आईपीओ सिर्फ दो प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 151 रुपये से लेकर 152 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 95 शेयर का है। आईपीओ के तहत कुल 32,89,47,368 करोड़ शेयर आफर फार सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) को अधिकतम 75 प्रतिशत शेयर अलाट किए जाएंगे, जबकि नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) को न्यूनतम 25 प्रतिशत शेयर दिए जाएंगे। इस इश्यू के लिए कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलाजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। क्यूब हाइवेज ट्रस्ट इन्विट की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी को 999.57 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 1,422.89 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2024-25 में इसे 2,106.32 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो अगले वित्त वर्ष 2025-256 में बढ़ कर 2,922.09 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी की परिसंपत्तियां 2024-25 के 28,624.25 करोड़ रुपये बढ़ कर 2025-26 में 30,763.19 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गईं। हालांकि, इन दो सालों में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में भी इजाफा हुआ। कंपनी पर 2024-25 के अंत तक 439.96 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो 2025-26 में बढ़ कर 491.65 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में दो महीने के टाप लेवल पर क्रूड आयल, ब्रेंट क्रूड 92.63 डालर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ रहे तनाव खाड़ी देशों से कच्चे तेल की सप्लाई बाधित होने की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत लगातार बढ़ती जा रही है। अमेरिका और ईरान के बीच जंग और तेज होने की आशंका के बीच ब्रेंट क्रूड दो महीने के ऊपरी स्तर पर पहुंच गया। ब्रेंट क्रूड ने तेजी दिखाते हुए 92 डालर प्रति बैरल के स्तर को पार कर लिया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी एक बार फिर 85 डालर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड ने 0.45 डालर प्रति बैरल की मामूली उछाल के साथ 91.46 डालर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। ट्रेडिंग शुरू होने के बाद इसकी कीमत उछल कर 92.63 डालर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले दो महीने के दौरान ब्रेंट क्रूड का ये सबसे ऊंचा स्तर है। हालांकि दिन के कारोबार में इसकी कीमत में मामूली गिरावट भी आई। भारतीय समय के मुताबिक सुबह 11:30 बजे अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 1.34 डालर प्रति बैरल यानी 1.48 प्रतिशत की तेजी के साथ 92.25 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने सिर्फ 0.15 डालर प्रति बैरल की सामान्य बढ़त के साथ 84.59 डालर प्रति बैरल के स्तर से के कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी देर बाद ही डब्ल्यूटीआई क्रूड उछल कर 85.75 डालर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बाद में इसकी कीमत में भी मामूली गिरावट दर्ज की गई। भारतीय समय के मुताबिक सुबह 11:30 बजे अंतरराष्ट्रीय बाजार में डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.23 डालर प्रति बैरल यानी 1.46 प्रतिशत की तेजी के साथ 85.57 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

आपको बता दें कि अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर खत्म होने और पश्चिम एशिया में युद्ध तेज हो जाने की वजह से कच्चे तेल की कीमत में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। पिछले सप्ताह अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 87 डालर प्रति बैरल के स्तर को पार कर एक महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 81 डालर प्रति बैरल के स्तर के ऊपर चला गया था। इसके बाद ती दिन तक सुस्ती का माहौल बना रहा, लेकिन पिछले चार ट्रेडिंग सेशन से कच्चे तेल की कीमत में एक बार फिर तेजी का रुख बन गया है, जिसकी वजह से इसने पिछले दो महीने के सबसे ऊंचे स्तर को पार कर लिया है।

जानकारों का कहना है कि पश्चिम एशिया में बढ़ रहे तनाव की वजह से एक बार फिर कच्चे तेल की सप्लाई पर संकट बढ़ाने की आशंका बन गई है। टीएनवी फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ तारकेश्वर नाथ वैष्णव का कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच जंग लगातार तेज हो रही है। दोनों पक्षों की ओर से लगातार हमले हो रहे हैं। इस बीच ईरान की ओर हूती विद्रोहियों ने भी मोर्चा संभालने का ऐलान कर दिया है। हूती विद्रोहियों ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका की ओर हो रहे हमले नहीं रुके तो वे रेड सी और बाब अल मंडेब जलडमरूमध्य के रास्ते जहाजों की होने वाली आवाजाही को ठप कर देंगे। हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर मैरीटाइम बैन भी लगा दिया है और शिप ओनर्स को सऊदी के बंदरगाहों पर नहीं आने की धमकी भी दी है। वैष्णव का कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रही जंग के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य पहले से ही ठप पड़ा हुआ है। ऐसे में अब अगर रेड सी और बाब अल मंडेब से भी जहाजों की आवाजाही रुक जाती है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की सप्लाई बुरी तरह से प्रभावित होगी। खासकर, सऊदी अरब और यमन की ओर से होने वाली कच्चे तेल की सप्लाई पूरी तरह से बंद हो जाएगी। कच्चे तेल की सप्लाई के संकट की आशंका के कारण ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत में तेजी से का रुख बना हुआ है। तारकेश्वर नाथ वैष्णव का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमत भारत जैसे कच्चे तेल के आयातक देश के लिए चिंता की एक बड़ी वजह बन सकती है।